

2774

CHILLY CRYVIES

श्रीगुरुदेव नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय





गी०

२ॐ नमो सिद्धि गुरु लः ॥ अथ पूत कवचं ॥ ॐ नमो दा
२ॐ कनक ल स्वाहा वायु स्वाहा ॥ ॐ मंत्रः ॥ यत स्या कय वि धम
नथ ॥ ॐ विद्या महावा ना र वानिः वे उ जानि वा वाः री
उ सिद्धि स्वाहा ॥ ॐ मंत्रः ॥ गुनाः ज्ञाना व नै सीः र य व थ स
स्वाकः सि क दु थ ॥ ज पा न यः जा प या य ॥ ॐ विद्या वा यि वि
द्या रू रू रु ट स्वा हाः सिद्धि गुरु लः ॥ ॐ अथ ॥ ॐ मंत्रः ॥ यत स्या कय वि धम
२ॐ अत्र न क ना य रू रू रु ट स्वा हा ॥ सिद्धि गुरु लः ॥ ॐ अथ ॥ ॐ मंत्रः ॥ यत स्या कय वि धम
न मिखा सुख न प्रय रू रू ॥ ॐ ॥ २ॐ हे आर्य ॥ ॐ अथ ॥ ॐ मंत्रः ॥ यत स्या कय वि धम

येऽग्रभूत्रपर्वतरुत्रिआयेहिं त्रिं गि पर्वतरायिः वायिऽवयनः जात्रादा
नसय हं रुद्रखा हा ॥ सिद्धिग्रत्रआ ह्ना ॥ अत्र हा थमं कुन साया विकपूय
॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥
आ ह्ना ह्ना रुद्र ६ खा हा ॥ सिद्धिग्रत्रआ ह्ना ॥ थमं कुन आरथ नम ल २१ ३ः
पल यं थमं रुद्र थ व क्ता ना न्याय य ना ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥
यानि अत्र का रुद्र क ल रुद्र अत्र का रुद्र क सिद्धिग्रत्रआ ह्ना ॥ अत्र हा ॥ रवा
पलि कायाडा रुनया दाडा हा क ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥
हा सिद्धिग्रत्रआ ह्ना अत्र हा डा कि लं नडाया मं कु थ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥
वालख रुद्र का थ खा हा सिद्धिग्रत्रआ ह्ना ॥ अत्र नम वा वयम रुद्रा
रुद्र के जा रं नथ हा ॥

[illegible]

[illegible]

ॐ कामात्रिभूषा॥ कवत्रिरुवत्रिहंरु०खाहा॥ अटहिद्वियमंनुध॥ ॐ॥ १७
 कृहंरु०खाहा॥ अत्र३॥ यमंनुनमिहायापनासिरुगकइ०॥ ॐ॥ १८
 डाजगंदहंरु०खाहा॥ अत्र३॥ इनावियमंनु॥ ॐ॥ १९ पार्वतिभूषा॥
 कामाहादवजनाग्नः॥ ॐ॥ ॐ॥ इन्द्ररु०खाहा॥ ॥ यदिगसंवाकायाव
 दयसतयः॥ खानसिंवनदयकाडनाखासिः॥ गखकायावजयलपः॥ ययान
 हातः॥ इमदयकइ०॥ ॐ॥ १९ यायागिनिः॥ लरु० वासुन्दाकात्रिदवियय
 सनकानिः॥ रुत्रमंनुः॥ ॐ॥ १९ वत्रवायागानु०॥ ॐ॥ १९ कडनिरुलसं
 पासयइ०॥ लयमंनुनत्रप०॥ पाडाकपाथमनं०॥ ययग्यायिडाइ०॥ ॐ॥

ॐ हे नमो हे नमो कि हे लोः मुरी वा द्य नमो मूरुम
रख ऊहं यो मिन माहि नगमा ही प्रजा मा ही वह ल व स्यः अनर व द्यः न
ग हे न कि न ग मा हिं सिद्धि मूरु नगमा ॥ अत्र ५ स्नानं सिद्धि व ल वि क नु
अप ल पुंः य व क गि म दू य गि ल ॥ ध न ग नु द्य पु द्य व स या य मा नि ॥ अत्र
ॐ नार ॐ धि न दू प ल न योः अय क न योः जी जी स्ना हा ॥ अत्र १० सु पा न
कं ग न का या व स थ्य थ्य दा व मा न स दू य लि ग व यं म न दः वा यि व गः
न ड न जि व ला थ्य य वि द्या थ ॥ अत्र १० काम नू द ग ड य न्नी वं पा शा काम
अलि क या य म न नि जा नि रु ग ड नि वा सिः शान ड न मा मा यू क न्ना य
अत्र ३ ॥ ध मं ग न व पा स्नान त्रि त्रि स्नान आ दि न वा न रू ना हा क व हू अ प ल

पथ खानन निसा दुव क उ गर्भ वस्यः मित्र नया ना वि लसा व स्या॥ वा
म स ग र सिद्धि॥ ॥१०॥ १३ न माः आ द श ग र काः सुना कि आ तः लय
कि गू ण निः रा गि का मः नून व मा निः ग र की स्तु ति म ती रु की रु
ता सं तु ॐ श्व त वा या॥ व २१ आय ग्ग र स वा न मि सा न क माः
तः सी सा व स्य या य इ ता वि द्या थ नि श्व य नं॥ ॥१०॥ १४ न म अ
द स ग र का चान का सं तुः ॐ ह स्वा हाः श्री मा हा निः प सि धि म
हा नि स्वा हाः ॐ आ ग आ रा श्व निः न व आप त म श्व निः सू त लो क
व ध निः मे ता क मा हा नि धिः न म सर्व ता क ना म व स्यं कृ त कृ तं

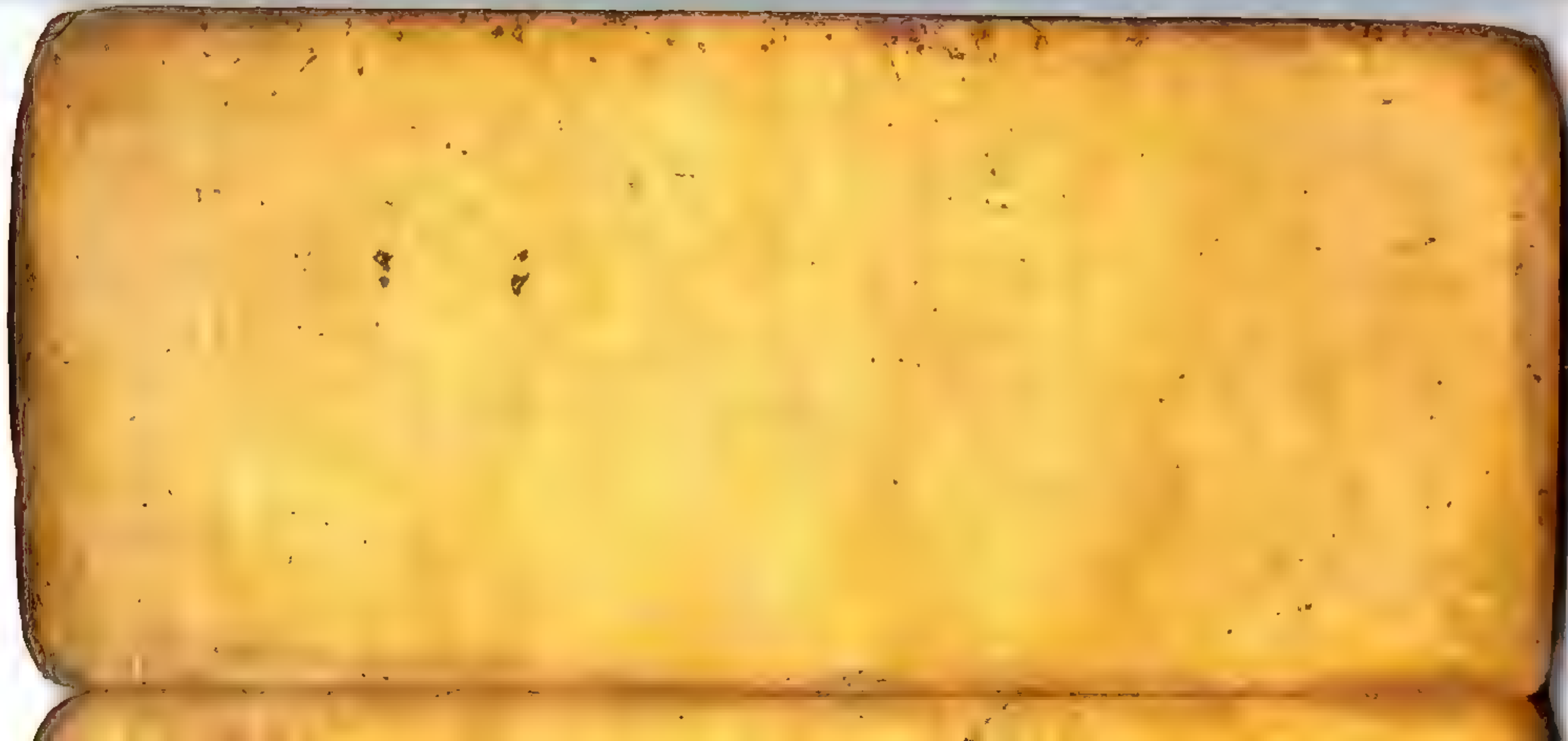
192
193
194
195
196
197
198
199
200

192
193
194
195
196
197
198
199
200

201
202
203
204
205
206
207
208
209
210

[illegible]

॥३॥



111

Handwritten text in a cursive script, likely a historical document or manuscript. The text is arranged in several lines across the page.

Vertical text on the right margin, possibly a date or reference.











1/10/17
1/11/17

1/12/17
1/1/18
1/2/18

1/3/18 1/4/18 1/5/18 1/6/18 1/7/18 1/8/18 1/9/18 1/10/18 1/11/18 1/12/18

[illegible]

かして

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्चनम् ॥ २ ॥
 श्रीगुरुभ्यो नमः ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 श्रीविष्णवे नमः ॥ ५ ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ ६ ॥
 श्रीब्रह्माय नमः ॥ ७ ॥
 श्रीमहादेवाय नमः ॥ ८ ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ ९ ॥
 श्रीहरिभ्यो नमः ॥ १० ॥
 श्रीरामाय नमः ॥ ११ ॥
 श्रीलक्ष्मणे नमः ॥ १२ ॥
 श्रीबाले नमः ॥ १३ ॥
 श्रीसुग्रीवे नमः ॥ १४ ॥
 श्रीजयद्रथे नमः ॥ १५ ॥
 श्रीअर्जुनाय नमः ॥ १६ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ १७ ॥
 श्रीभगवते नमः ॥ १८ ॥
 श्रीवासुदेवाय नमः ॥ १९ ॥
 श्रीनमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

विष्णुसहस्रनाम

हृदय अक्षर सत् नमः

हृदय अक्षर सत् नमः
वद कया ना धनं युयाप ॥३॥

२३ : शांता शारवका वः
नानि पानि नाना गल
सुखा राखन समं नुस
लेखने अक्षर वः
॥ धर्मं न विदुः पत्रप
अनके दूध मविलः
या विलके शः सा
हृदयः मयं शः सा ॥

नदि अक्षर सत् नमः
वद कया ना धनं युयाप ॥३॥
गुरुः दिन ॥ अं पूर्व
य ॥ शांता दक्षिण
॥ गुरुः उक्त श्वय ॥ ॥
दिग पत्रि मयं शः



१ थउ नु सः सिं ध लः ध ल
 ये नः न रु उ प ग स वा या
 अः मि सा या ना स दू थ न
 मा नः आ या कृ स ॥ १ ॥
 सा दा अ न थ थ ति न मि
 सा ये स या य दू ला थ मः
 ना ल ति स र ॥ १ ॥



१ थउ नु शः ल म ल ये नः कृ म् स न रु
 कृ प ग स वा यः का श र व ल थ अ र वा न
 दू रि द दा व श थ थ दा अः ध उ ग
 स दू थ दा अः उ व द्वा श थ थ न्यः ल
 थ थ ग रि दा न ॥ १ ॥

सुखाय नमः
नमः ॥ ६ ॥

सुदूथदाताः उदकाधसुधाम्बुः
अथविद्याः सवनायमन
ताः त्रिष्वयमनताः ॥ ७ ॥





कुनम श्रौय दि का यन मे परत म था ग ग रु स का आ ज्ञा रु ने न्द्र ॥ भ व नि या व र न स
रित त स रो न्द्र ॥ १ ॥ रं दि का स मा ता न म न ने न्द्र यं आ ण ॥ मा हा मा या र द स नि द्र
जा या हा भा ण ॥ २ ॥ अ त भु त म हि म आ न ने त स ता या ॥ त म सु क र नु कृ कृ ता ता र
थ का या ॥ ३ ॥ हे हे हे स त न न म न नि स्र य न ॥ प्र ति पा त या क नी क लो क रु ना म था
॥ ४ ॥ स व द नं कृ पा या कृ मो वा ता र वा हा ण ॥ भू ग त न न नि कृ स म्भ ति द या वा ण ॥ ५
॥ ध र्म न थ का मु ष व र द वि स्र ॥ वि न्द्रा क भो त स स दा थ म वा स या स ॥ ६ ॥
सु न न त म वि ज्ञ नं ग न गी ध व ॥ न भ य स ना ना ग रु रु ज धं कृ न त न रं दि का या पा द
का स स ग त पं ष मः ध र्म न थ का म मु ष व र द वि स्र ॥ ७ ॥ कृ पा या य म

उ जि व द न धा न स नं व दा स र मा व का सा ला य क था दि नं ॥ ८ ॥ अ न स व ता म

ॐ जि व द न धा ल स न व द स र मा व का त्या सा य क था दि न ॥ १॥ अ ग स व ता म
म र वा ह मा य मा ते प र मे सा ता दि को जी न न म का त ॥ १० ॥ पु न र वा य न य म्मा न प न ता व
धु ला त्री म न न य न प र व द स र मा ॥ ११ ॥ मा हा त्री स मा ने टा हा दि व ली गु ना
ग म्पा द को ह त प र व द स र मा ते व लो क प नि वा ने ग ना न म ह ता व रे वा ले ति
मे द ना उ वा न म द ता ॥ १२ ॥ दे व लो क स म त न ग प त न वी ग थ या य मा ह
दि जि बो न वा ने ग ना ॥ १४ ॥ उ पा य द व मा व या य प ति या न व का व सा रु ति या
ले दू ज्ञा मे न लो का म द व द स र मा य न के म ता त प त ली के म लो दे व स के वा
ना त व व त ता क १९ पु न र या न स य म दू ध का के न व व ता म्मा ता दे व ली
ता ना य म्पा य न वी ता ॥ २० ॥ धृ ति या प मा व द्य का व द स र मा

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ पुनर्दया हावपिता विज्याता वर्नेन ॥ २५ ॥ मस्तस्तथा यान्न ये

सिंहवा ताननं तेजो मा युजुषयाः । अस न वदन् २८ दे वलो व वदा ह दे व ब्रौ ह

सिंहवा ज्ञाननं ॥ तेजो मा युजुषया ॥ पुनस्तव वदन् ॥ देवलो वदन् ॥ देवलो वदन् ॥
याता ॥ ह यन वल पं वो वेहाना नास्तु तो याता ॥ ४२ ॥ अने कप्र कार वं धरा धानया ता
॥ मि सै स कस्तु जलो र द्या या वमा ता ॥ ४३ ॥ त्रि मिदु व द्या क मा न पु मा न जलो ॥ वं
को सुत व द्या य म न धा ने ते जो ३ वा तं वा तं न म स्कार वि न ति त्रि मा सः ॥ अ सह वे द त जल सु
ति नु ज्ञी मो स ॥ ४४ ॥ का म्पा वी न ति या हा द व ग वा दो ना वं दा सु ल दा रा व या जी व न ध के ने
यथे वो वो रं का मु र रु ध या त व ला स व दा ता या वं दे व ग ना द को वि ला ॥ ना ना पं दि रु प मा न दे व ग रा
व नं ॥ फ र ले फ लं द स दी ग वे ग या हा व ना ॥ ४५ ॥ अ यु त वो ह न को त्व सा रं स या रु प क यो त वं के व न्नि रु ता
ज नै स रु प द ज्ञा मो त्रि यो का की ला दो रू प का ही भा ॥ ते ती को ति र्क व ग ना ४ पं दि रु प ज लो
॥ अ हि मा या वं दे स्व का लं प्र त ध्या न ज लो ॥ र क्त ॥ वं द न व न स के त्रे ह सु ला ॥ ४६ ॥ दा त
व न्नि र्क व ना ता ग्रा स यी श्री

धर्म ॥ श्री मस - श्री कृष्ण

दान वन देव ला ता साये धर्क ॥ जिमी संरु सु सला तो गना वने धर्क ॥ ४ ॥

ॐ नमः ८ वरसत्वाय सुखाय गुरुसंगलक्ष्मीगुणः ॥ सप्तशतं लक्ष्मीं सप्तशतं लक्ष्मीं
 गवतः ॥ नमः माताकाय ॥ गवतः ॥ सप्तशतं लक्ष्मीं सप्तशतं लक्ष्मीं
 कृष्णशक्तिपिक ॥ गुरुसंगलक्ष्मीगुणः ॥ सप्तशतं लक्ष्मीं सप्तशतं लक्ष्मीं
 कृष्णशक्तिपिक ॥ गुरुसंगलक्ष्मीगुणः ॥ सप्तशतं लक्ष्मीं सप्तशतं लक्ष्मीं
 माताकाय ॥ नमः माताकाय ॥ गवतः ॥ सप्तशतं लक्ष्मीं सप्तशतं लक्ष्मीं
 कृष्णशक्तिपिक ॥ गुरुसंगलक्ष्मीगुणः ॥ सप्तशतं लक्ष्मीं सप्तशतं लक्ष्मीं

लि ता दहि ना शि सु खं पि न्नि यि ता वि प रि ध म् व ता यो सि धि मा वि ष्णु त था क रु द्ध
दे प्र स ना चं ष्णु व ता यो मा की वे ला क न का त्व स द्ध व ता षो र्का वी प ष्णु च प ष्णु ना रु
क सि रु स्य व स मा ति द तं ष्णु ल नु तं द वा प्र स र्वा मा ग ता रु यं तु सा ग ता रु द्रं मा रु न मा ति
॥ कृ स ना य ॥ ॐ कृ सा स र म् व ति धि ता रु ना ल प त्ता य ॥ ॐ व स ध ति प र वा तं ष्णु द्ध
लं ष नं ना य क ॥ ॐ अ वि र म् च तं ष्णु द्ध तं नं क ॥ ॐ अ धि तं ष्णु द्ध म ॥ स्या न त य ॥
ॐ ष्णु प्र ष्णु ष्णु धि द्वा च क वी क ष्णु ति वा द्र य तं नं ष्णु कृ स्य न म् ष ष्णु द्ध यो न
धु ना ना ति का वा रु रु ना स नं रु ना द स नं गि ता द त द दि र च कृ ति जा नु यं ता य न रु स वा द्र य न
ना वा स व ना तं ष्णु य तं क धि वि तं तां ॥ ॐ ग ध य क ॥ ॐ वि द्र मा ग थ य क ॐ पि नु ता ग क
न तं ष ष्णु द्ध म ॥ चं त रा ल द य क मा रु त ष्णु द्ध म त य ॥ ॐ अ ष्णु द्ध म रु ग दं सा त

तद्विदुः स तम ग न ह व ज् प न मा या ज ल म ति स्र क
॥ **ध** न क णि **दू** क क निरला व निर नि ला व निर स्र च न स र व द ह
र मा ध प नि त ठ स व पा प क क लि य स्त्रा द ॥ ॥ **प** वा म्म न स
धि ना य र वी ल स ना नै । र व ध क या मि म ध स ना नै र व ध
क या मि । स र व स ना नै र व ध क या मि । म ध स ना नै र व
ध क या मि । स र स ना नै र व ध क या मि ॥ **न** र व ध न ठ य क
न व ज ल ष स्त्रा ता । न म्म ल ष स्त्रा ता । धि ना ना धि नै नू रु स्त्रा
ता

[illegible]

कननसहिमासर्वकुलिसुवज्रिणांयविद्वंषप्रदास्यामिपिनाविद्वंष्य६॥बहु

क नन स हि ना सर्व कु लि सु व जि नो य वि द न प्र दा त्मा मि । प नो वि द् ॥ ५६ ॥ व व
पि ना म ह पि द् ॥ ५७ ॥ अ ज्ञा प्र पि ना म ह पा ५ ॥ ५८ ॥ ग या गे ज्ञा वि द् प्र पी ता
म ह पि द् ॥ ५९ ॥ ॥ ७० ॥ वि क ल य य क वा क थ ॥ ७१ ॥ न रा मि ना कु ल
ज्ञा ना र प्ठ ता य व रा ध वा रा म ग ता वि भू पा र्क । क्ता नं कु ल म
म ह मा द रे न रु रु ना या रे रु ना या प ता ग नि । स स्का त मि त म
गु न ॥ ७२ ॥ ध ना य का कां दि सं का क पि ड स्ता ना दि सं त्वा न पि द् ॥ ७३ ॥
न म प्र वि क ल पि द् ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
न सर्व दु र्ग वि प लि स्त ध न ल न भू न था ग ना या क ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥

ॐ धर्मं न विष्णु धर्मं सर्वं पद्मा विष्णु धर्मं सर्वं का पद्म लन विष्णु धर्मं सर्वं धर्मं ॥ नमः
ॐ नमो गायत्री लंक संमर वा न था ग ना या ह न स म क संवृद्ध य न द
थां व लि पा हा ल वि श्र पा ल मि ना न व द पु ज्ञा म ध स मु द रु ल न स म य ष ध म ॥ ॐ
ॐ सर्व विष्णु वा पा य सि पि त सिल पा ल नि ना पु ज्ञा म ध स मु द रु ल न स
य ष ध म ॥ ॐ स म य ष ध म ॥ ॐ नमः ॥ ॐ सर्व विष्णु वा पा य द स न रु ल दान
पा ल मि ना न रु ल पु ज्ञा म ध स मु द रु ल न स म य ष ध म ॥ ॐ नमः ॥ ॐ सर्व वि
ष्णु वा पा य ॐ वी ष वा पा य द स न रु ल दान पा ल मि ना न धू प पु ज्ञा म

य स म रु ल स म य ष ध म ॥ ॐ नमः ॥ ॐ सर्व विष्णु वा पा य वि ष ध

यस्य मृदुलसमयः ॥ १ ॥ सर्ववैश्व वापायविश्वध
नमस्तव शिवः तलित्तालांकपह्ना पातमलादिपपुत्राभ
यस्य मृदुलसमयः ॥ २ ॥ धर्मवैश्व कर्मदापावकः ॥ ३ ॥ मुनी
मदमनिमता मुनिनमनैसाहसिताय धर्मवैश्व कर्मपवर्णनीध
तकं त्रगसंशब्दाधयसवदुग्गनी ॥ ४ ॥ तदवाकननमुनी ॥ ५ ॥ वीध
वैश्वसकलः हावाहावविवारि नसाह्मि तदनमस कलासम्भ
पकलितिर्मलैः ॥ ६ ॥ निरुवर्णमाहाध्याता ह्यव्याहिलनीनादि
ह्यव्याहा मायमयनैर् इदपदनमामिह ॥ ७ ॥ विकलचामुनी ॥



Handwritten text in a script, likely Tamil, arranged in three lines. The script is dark and appears to be inscribed on a light-colored, possibly stone or metal, surface. The first line is the most legible, while the second and third lines are increasingly obscured by fading and wear. The text is oriented horizontally across the lower portion of the image.











ॐ सागमली ववा